RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 12th HISTORY

भक्ति-सूफी परम्पराएँ

02

RAPID REVISION



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 सूफीमत के विकास की विवेचना कीजिए।

RBSE-2025

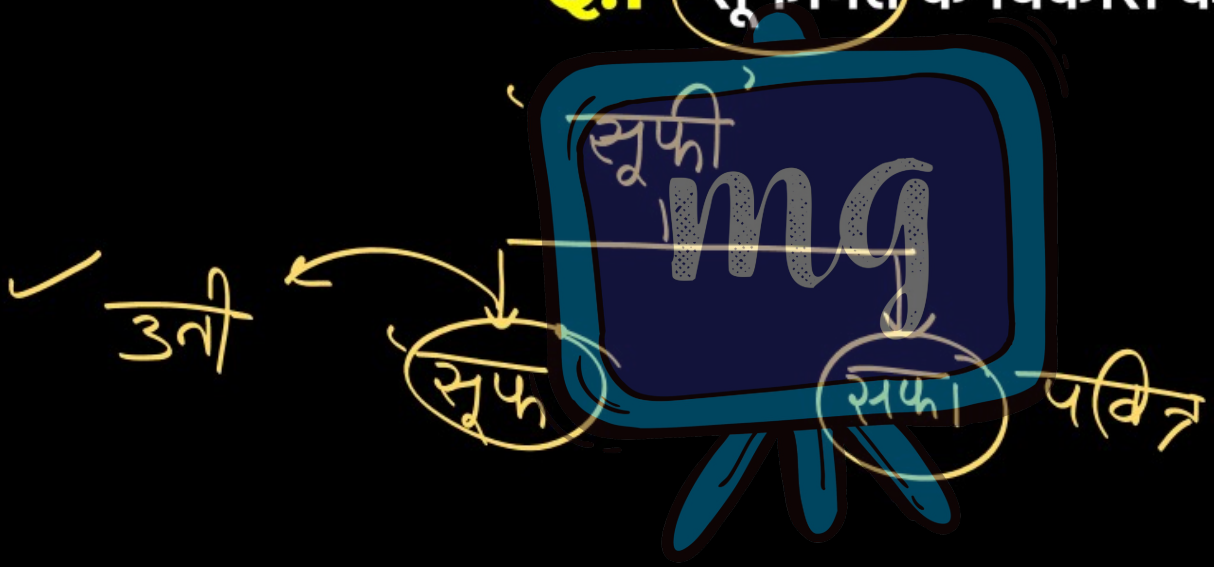

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Q.1 सूफीमत के विकास की विवेचना कीजिए।

RBSE-2025

उत्तर :

1. इस्लाम की आरंभिक शताब्दियों में खिलाफत की बढ़ती शक्ति के विरुद्ध कुछ आध्यात्मिक लोगों का रहस्यवाद और वैराग्य की ओर झुकाव हुआ; इन्हें सूफी कहा गया।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

2. उन्होंने रूढ़िवादी धार्मिक व्याख्याओं की आलोचना की।
3. उन्होंने मुक्ति के लिए ईश्वर की भक्ति और उसके आदेशों के पालन पर बल दिया।
4. पैगम्बर मोहम्मद को इंसान-ए-कामिल मानकर उनके अनुसरण की शिक्षा दी।
5. सूफियों ने कुरान की व्याख्या अपने निजी अनुभवों के आधार पर की।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

6. ग्यारहवीं शताब्दी तक सूफीवाद पूर्ण विकसित आंदोलन बन गया।
7. खानकाह सूफी समुदाय का संस्थागत केंद्र बनी।
8. बारहवीं शताब्दी में सिलसिलों का गठन हुआ।
9. पीर की मृत्यु के बाद उसकी दरगाह, जियारत और उर्स की परंपरा विकसित हुई।

Q.2 प्रारंभिक भक्ति परंपरा की विवेचना कीजिए।

RBSE-2025



Q.2 प्रारंभिक भक्ति परंपरा की विवेचना कीजिए।

RBSE-2025

उत्तर :

1. प्रारंभिक भक्ति आंदोलन लगभग छठी शताब्दी में तमिलनाडु में विकसित हुआ।
2. इसका नेतृत्व अलवारों और नयनारों ने किया।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. अलवार विष्णु तथा नयनार शिव की भक्ति में तन्मय थे।
4. वे एक स्थान से दूसरे स्थान तक भ्रमण करते हुए तमिल भाषा में भजन गाते थे।
5. उन्होंने कुछ स्थानों को अपने इष्टदेव का पवित्र निवास घोषित किया; बाद में वहाँ विशाल मंदिर और तीर्थस्थल बने।

* पवित्र

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

6. उनके भजन मंदिरों के अनुष्ठानों में गाए जाते तथा संतों की प्रतिमाओं की पूजा होती थी।

7. इन परंपराओं में स्त्रियों और निम्न वर्णों को भी स्थान मिला।

8. अंडाल तथा करइक्काल अम्मइयार जैसी स्त्री भक्तों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

9. अलवारों की रचनाएँ नलयिरादिव्यप्रबंधम् और नयनारों की कविताएँ तवरम में संकलित हुईं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 कबीर के मुख्य उपदेशों का वर्णन कीजिए।

RBSE-2023



Q.3 कबीर के मुख्य उपदेशों का वर्णन कीजिए।

RBSE-2023

उत्तर :

1. कबीर ने एक परम सत्य पर बल दिया और ईश्वर को अल्लाह, राम, करीम, केशव, हरि आदि अनेक नामों से संबोधित किया।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

2. उन्होंने परम सत्य को अलख, निराकार, ब्रह्मन् और आत्मन् भी कहा।
3. उन्होंने धार्मिक रूढ़ियों, सामाजिक संस्थाओं और प्रचलित व्यवहारों को प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा।
4. उनकी कुछ रचनाओं में एकेश्वरवाद का समर्थन और मूर्तिपूजा का खंडन मिलता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

5. उन्होंने सूफी परंपरा के ज़िक्र और इश्क तथा हिंदू परंपरा के नाम सिमरन का प्रयोग किया।
6. उनकी रचनाओं में योगी परंपरा के शब्द और शून्य जैसे पद भी मिलते हैं।
7. उन्होंने धार्मिक समुदायों के बीच केवल नामों और शब्दों के कारण होने वाले विवाद को निरर्थक बताया।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 भक्ति आन्दोलन में अलवार व नयनार परम्परा में अन्तर स्पष्ट कीजिए। Model paper-2025



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 भक्ति आन्दोलन में अलवार व नयनार परम्परा में अन्तर स्पष्ट कीजिए। Model paper-2025

उत्तर :

1. अलवार परंपरा के संत मुख्यतः विष्णु की भक्ति में तन्मय थे।
2. नयनार परंपरा के संत मुख्यतः शिव की भक्ति करते थे।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. दोनों परंपराओं के संत तमिलनाडु में भ्रमण करते हुए अपने इष्ट की स्तुति में तमिल भाषा में भजन गाते थे।
4. अलवारों की प्रमुख रचनाएँ नलयिरादिव्यप्रबंधम् में संकलित हुईं।
5. अप्पार, संबंदर और सुंदरार जैसे नयनार संतों की कविताएँ तवरम में संकलित हुईं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

6. अलवार परंपरा में अंडाल तथा नयनार परंपरा में करइक्काल अम्मइयार प्रमुख स्त्री भक्त थीं।
7. दोनों परंपराओं ने स्त्रियों और विभिन्न सामाजिक समुदायों को भक्ति में स्थान दिया।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 "चिश्ती सिलसिले ने भारतीय भक्ति परम्परा की कई विशेषताओं को अपनाया था।" संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Model paper-2025

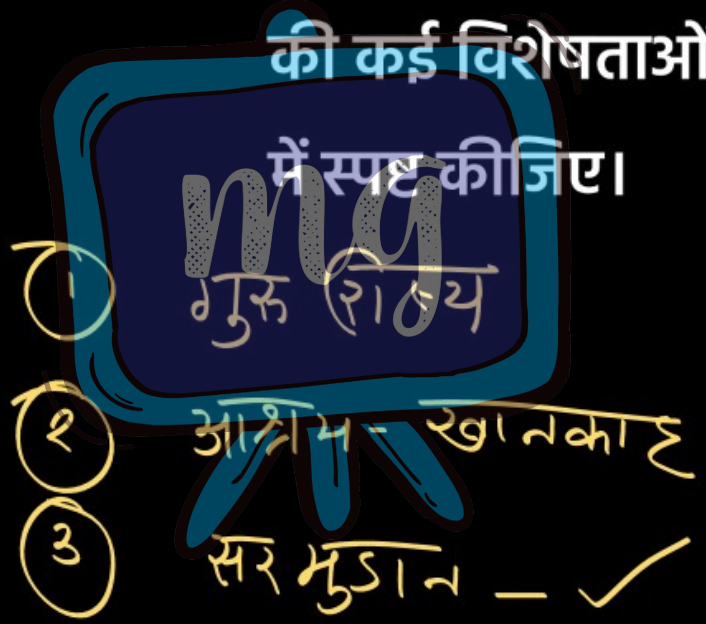

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 "चिश्ती सिलसिले ने भारतीय भक्ति परम्परा की कई विशेषताओं को अपनाया था।" संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। Model paper-2025

उत्तर :

1. चिश्तियों ने स्वयं को स्थानीय परिवेश के अनुरुप ढाला।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

2. दिल्ली के चिश्ती हिंदवी भाषा में बातचीत करते थे।
3. बाबा फरीद ने क्षेत्रीय भाषा में काव्य रचना की।
4. चिश्ती उपासना में समा अर्थात आध्यात्मिक संगीत को महत्त्व मिला।

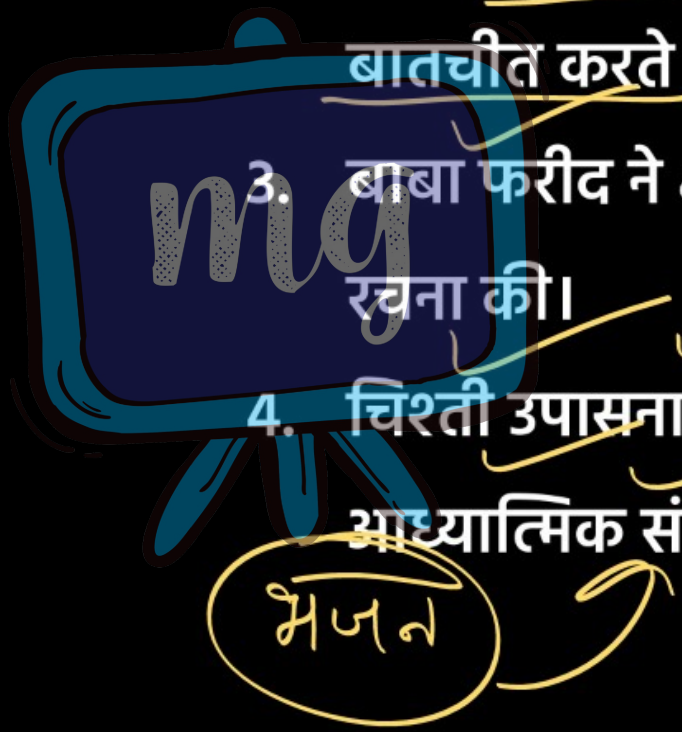

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

5. खानकाहों में फारसी, हिंदवी तथा अन्य भाषाओं के काव्य गाए जाते थे।

6. शेख के सामने झुकना, आगंतुकों को पानी पिलाना, दीक्षितों का सिर मुंडाना तथा यौगिक व्यायाम स्थानीय परंपराओं के आत्मसात होने के उदाहरण थे।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

7. दक्कन के सूफियों की रचनाओं पर भी वहाँ की भक्ति परंपरा का प्रभाव दिखाई देता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 मीराबाई के विषय में आप क्या जानते हैं? संक्षेप में वर्णन कीजिए। Model paper-2024



मेड़ता, नागौर
राजस्थी

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 मीराबाई के विषय में आप क्या जानते हैं? संक्षेप में वर्णन कीजिए। Model paper-2024

उत्तर :

1. मीराबाई लगभग पंद्रहवीं-सोलहवीं शताब्दी की प्रसिद्ध भक्त कवयित्री थीं।
2. वे मारवाड़ के मेड़ता की राजपूत राजकुमारी थीं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. उनका विवाह उनकी इच्छा के विरुद्ध मेवाड़ के सिसोदिया कुल में हुआ।
4. उन्होंने पत्नी और माँ के पारंपरिक दायित्वों को अस्वीकार कर कृष्ण को अपना एकमात्र पति माना।
5. ससुराल वालों द्वारा विष देने के प्रयास के बाद वे राजभवन छोड़कर परिव्राजिका संत बन गईं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

6. उन्होंने अंतर्मन की भक्ति व्यक्त करने वाले अनेक गीत रचे।
7. कुछ परंपराओं के अनुसार रैदास उनके गुरु थे।
8. उन्होंने जातिवादी सामाजिक रुढ़ियों का उल्लंघन किया।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

9. उन्होंने कोई निजी मंडली स्थापित नहीं की, फिर भी उनके पद लंबे समय तक लोगों के लिए प्रेरणा बने रहे।

Q.7 कर्नाटक की वीरशैव परम्परा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

Model paper-2024



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.7 कर्नाटक की वीरशैव परम्परा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

Model paper-2024

उत्तर :

1. बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में बासवन्ना के नेतृत्व में यह आंदोलन विकसित हुआ।
2. इसके अनुयायी वीरशैव या लिंगायत कहलाए।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. वे शिव की लिंग रूप में आराधना करते थे।
4. वे लघु लिंग को चाँदी के पिटारे में धारण करते थे।
5. उन्होंने जाति व्यवस्था, दूषितता की ब्राह्मणीय अवधारणा और पुनर्जन्म पर प्रश्न उठाया।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

6. उन्होंने वयस्क विवाह और विधवा पुनर्विवाह को मान्यता दी।
7. वे श्राद्ध नहीं करते थे और मृतकों को दफनाते थे।
8. इस परंपरा की अभिव्यक्ति कन्नड़ भाषा के वचनों में हुई।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.8 कबीरदास आज भी उन लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं जो सत्य की खोज में रुढ़िवादी, धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं, विचारों और व्यवहारों को प्रश्नवाचक दृष्टि से देखते हैं। विश्लेषण कीजिए। Model paper-2023

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

उत्तर :

1. कबीर की समृद्ध परंपरा उन लोगों के लिए प्रेरणा बनी जो परम सत्य की खोज करते हैं।
2. उन्होंने रूढ़िवादी धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं को प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. उन्होंने ईश्वर को अल्लाह, राम, करीम, केशव, हरि आदि अनेक नामों से संबोधित करते हुए एक परम सत्य पर बल दिया।
4. उनकी रचनाओं में इस्लामी, वेदांती तथा योगी परंपराओं के विचारों का प्रयोग मिलता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

5. उन्होंने अलख, निराकार, ब्रह्मन्, आत्मन्, शब्द और शून्य जैसे पदों से परम सत्य को व्यक्त किया।

6. उनकी उलटबाँसी रचनाएँ परम सत्य को समझने की कठिनाई को प्रकट करती हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

7. कबीर ने धार्मिक समुदायों के बीच नामों और बाहरी आचारों के आधार पर होने वाले विवादों की आलोचना की।

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.1 कबीर की बानी की व्याख्या कीजिए।

RBSE-2026

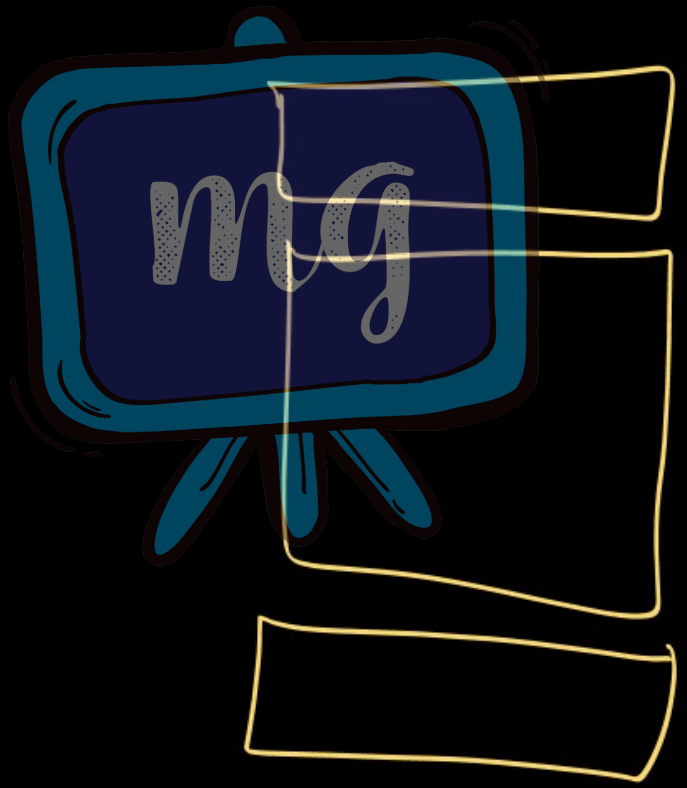

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.1 कबीर की बानी की व्याख्या कीजिए।

RBSE-2026



उत्तर :

1. कबीर की बानी का संकलन तीन प्रमुख परंपराओं में मिलता है—
   - कबीर बीजक—कबीर पंथियों द्वारा वाराणसी तथा उत्तर प्रदेश में संरक्षित।

निबन्धात्मक प्रश्न

- कबीर ग्रंथावली—राजस्थान के दादू पंथियों से संबंधित।
- कबीर के अनेक पद आदि ग्रंथ साहिब में संकलित हैं।

2. अधिकांश पांडुलिपि-संकलन कबीर की मृत्यु के काफी बाद किए गए।

निबन्धात्मक प्रश्न

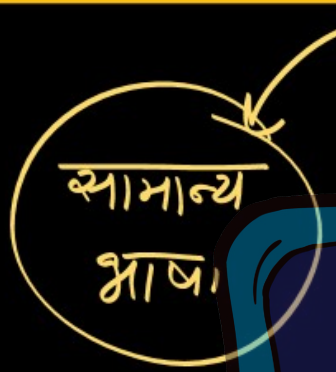

3. उनकी रचनाएँ अनेक भाषाओं और बोलियों में मिलती हैं; कुछ रचनाएँ निर्गुण कवियों की संत भाषा में हैं।

4. उनकी कुछ रचनाएँ उलटबाँसी कहलाती हैं, जिनमें रोजमर्रा के अर्थ को उलटकर परम सत्य को समझने की कठिनाई व्यक्त की गई है।

निबन्धात्मक प्रश्न

5. परम सत्य के लिए कबीर ने विभिन्न परंपराओं के शब्दों का प्रयोग किया—

- इस्लामी परंपरा—अल्लाह, खुदा, हज़रत, पीर
- वेदांत—अलख, निराकार, ब्रह्मन्, आत्मन्
- योगी परंपरा—शब्द और शून्य

निबन्धात्मक प्रश्न

6. उनकी कुछ कविताएँ एकेश्वरवाद का समर्थन तथा बहुदेववाद और मूर्तिपूजा का खंडन करती हैं।
7. उन्होंने सूफी परंपरा के ज़िक्र और इश्क जैसे सिद्धांतों का प्रयोग 'नाम सिमरन' की अभिव्यक्ति के लिए किया।

निबन्धात्मक प्रश्न

8. कबीर की रचनाओं में धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं तथा रूढ़ियों को प्रश्नवाचक दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति दिखाई देती है।

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.2 सूफी और राज्य के संबंधों की व्याख्या कीजिए।

RBSE-2026

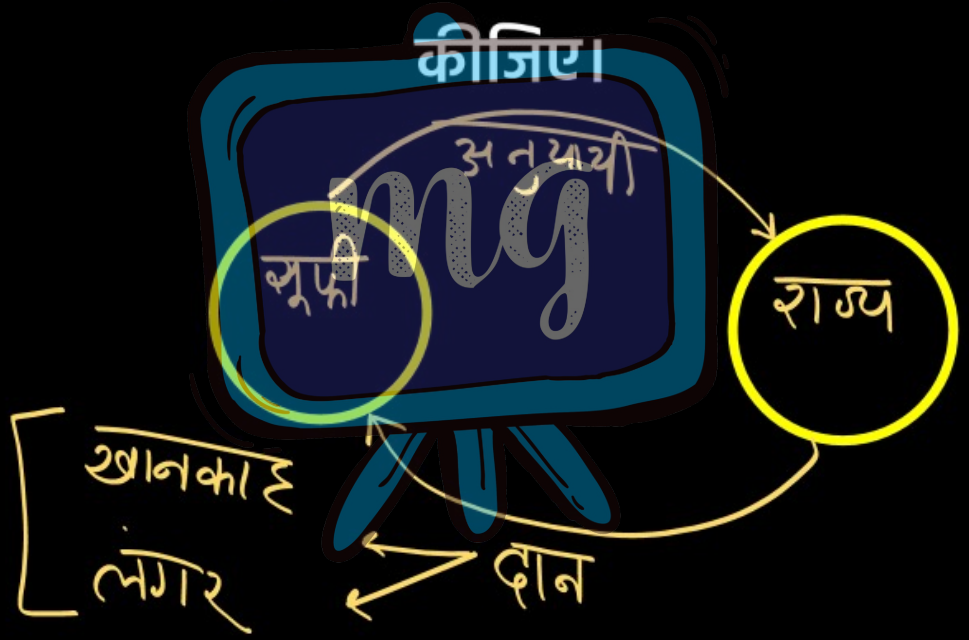

Q.2 सूफी और राज्य के संबंधों की व्याख्या कीजिए। RBSE-2026

उत्तर :

1. चिश्ती संप्रदाय संयम और सादगी के जीवन तथा सत्ता से दूरी पर बल देता था।

निबन्धात्मक प्रश्न

2. इसके बावजूद यदि शासक वर्ग बिना माँगे अनुदान या भेंट देता था तो सूफी संत उसे स्वीकार करते थे।
3. सुल्तानों ने खानकाहों को कर-मुक्त भूमि (इनाम) दी तथा दान-संबंधी न्यास स्थापित किए।

निबन्धात्मक प्रश्न

4. चिश्ती संत प्राप्त धन और सामान को संग्रहित न करके भोजन, वस्त्र, रहने की व्यवस्था और समा की महफिलों पर खर्च करते थे।
5. इससे शेखों का नैतिक अधिकार तथा जनसाधारण में उनकी लोकप्रियता बढ़ी।

निबन्धात्मक प्रश्न

6. सूफी संतों की धर्मनिष्ठा, विद्वता और चमत्कारी शक्ति में विश्वास के कारण शासक उनका समर्थन प्राप्त करना चाहते थे।

7. दिल्ली के सुल्तानों ने उलमा की शरिया लागू करने की माँग स्वीकार नहीं की, क्योंकि उनकी अधिकांश प्रजा इस्लाम धर्म को नहीं मानती थी। ऐसे समय उन्होंने सूफी संतों का सहारा लिया।

निबन्धात्मक प्रश्न

8. औलिया को ईश्वर और लोगों के बीच मध्यस्थ माना जाता था; इसलिए शासक अपनी कब्रें दरगाहों और खानकाहों के निकट बनवाना चाहते थे।
9. फिर भी सुल्तानों और सूफियों के बीच तनाव भी होता था, क्योंकि दोनों अपनी सत्ता और प्रतिष्ठा से जुड़े कुछ आचारों पर बल देते थे।

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.3 बाबा गुरुनानक की कौनसी शिक्षाएँ आज भी प्रासंगिक हैं?

RBSE-2024



Q.3 बाबा गुरुनानक की कौनसी शिक्षाएँ आज भी प्रासंगिक हैं? RBSE-2024

उत्तर :

1. बाबा गुरु नानक ने निर्गुण भक्ति का प्रचार किया।
2. उन्होंने धर्म के सभी बाहरी आडंबरों– यज्ञ, आनुष्ठानिक स्नान, मूर्ति पूजा तथा कठोर तप–को अस्वीकार किया।

निबन्धात्मक प्रश्न

3. उन्होंने हिंदू और मुसलमानों के धर्मग्रंथों को भी नकारा।
4. उनके अनुसार परम पूर्ण रब का कोई लिंग या आकार नहीं था।
5. उन्होंने ईश्वर की उपासना के लिए सरल मार्ग बताया—उसका निरंतर स्मरण और नाम-जाप।

निबन्धात्मक प्रश्न

वाद्य यंत्र

6. गुरु नानक ने अपने विचार पंजाबी भाषा के शबदों के माध्यम से व्यक्त किए।
7. वे शबद विभिन्न रागों में गाते थे और उनका सेवक मरदाना रबाब बजाता था।
8. उन्होंने अनुयायियों को एक समुदाय में संगठित किया तथा सामुदायिक उपासना के लिए संगत के नियम बनाए।

निबन्धात्मक प्रश्न

9. संगत में सामूहिक रूप से पाठ किया जाता था।
10. उन्होंने अपने अनुयायी अंगद को अपने बाद गुरुपद प्रदान किया।
11. इस प्रकार उनके संदेश का केंद्र निर्गुण ईश्वर, नाम-स्मरण, सरल उपासना और सामूहिक भक्ति था।

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.4 आपके विचार से अलवार और नयनार संतों के किन विचारों ने लोगों को प्रभावित किया?

RBSE-2024



निबन्धात्मक प्रश्न

Q.4 आपके विचार से अलवार और नयनार संतों के किन विचारों ने लोगों को प्रभावित किया?

RBSE-2024

उत्तर :

1. अलवार विष्णु भक्त तथा नयनार शिव भक्त थे।
2. उन्होंने संस्कृत के स्थान पर लोगों की भाषा तमिल में भजनों की रचना की।

निबन्धात्मक प्रश्न

3. वे भ्रमण करते हुए अपने इष्टदेव की स्तुति में गीत गाते थे।
4. उन्होंने कुछ पवित्र स्थलों को अपने इष्ट का निवास बताया; बाद में ये स्थान मंदिर और तीर्थस्थल बने।
5. उनकी परंपरा ने स्त्रियों तथा निम्न वर्णों को भी स्वीकृति और स्थान दिया।

निबन्धात्मक प्रश्न

6. संत विभिन्न समुदायों—ब्राह्मण, शिल्पकार, किसान और 'अस्पृश्य' मानी जाने वाली जातियों—से आए थे।
7. कुछ संतों ने जाति प्रथा और ब्राह्मण प्रभुता के विरुद्ध आवाज उठाई।
8. अलवार रचनाओं को वेदों जितना महत्त्व मिला और नलयिरादिव्यप्रबंधम् को 'तमिल वेद' कहा गया।

निबन्धात्मक प्रश्न

9. अंडाल और करइक्काल अम्मइयार जैसी स्त्रियों की जीवन-पद्धति ने पितृसत्तात्मक आदर्शों को चुनौती दी।

10. मंदिरों में संतों के भजन गाने और उनकी प्रतिमाओं की पूजा ने इन विचारों के प्रसार को बढ़ाया।

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.5 सूफी मत के विकास में खानकाह और सिलसिला की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

RBSE-2022

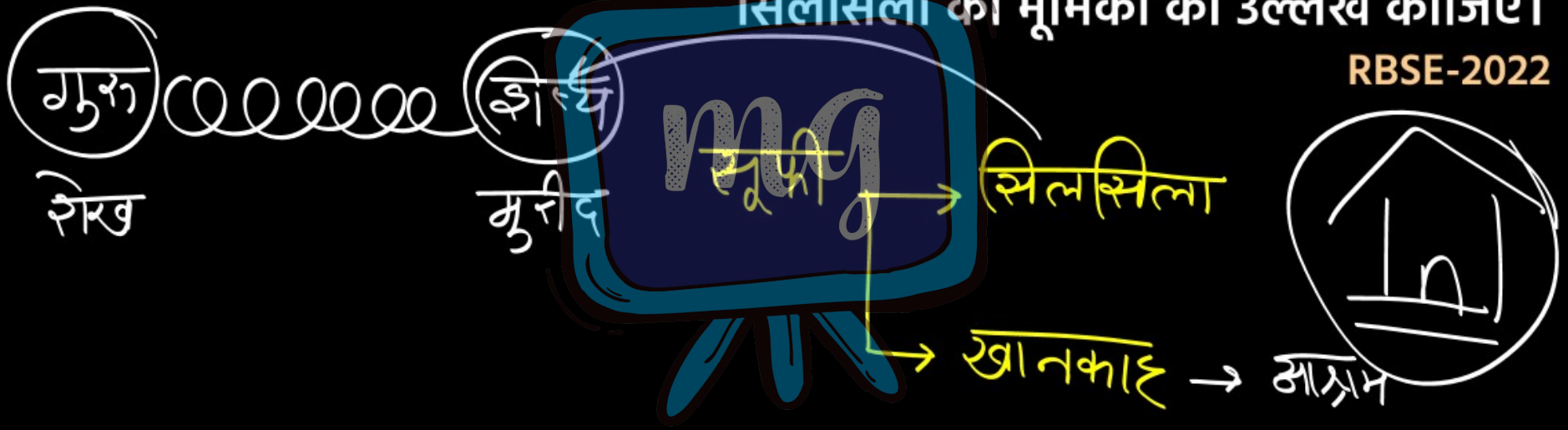

Q.5 सूफी मत के विकास में खानकाह और सिलसिला की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

RBSE-2022

उत्तर :

खानकाह की भूमिका

1. ग्यारहवीं शताब्दी तक सूफीवाद एक विकसित आंदोलन बन चुका था।

निबन्धात्मक प्रश्न

2. सूफियों ने अपने समुदाय को खानकाह के इर्द-गिर्द संगठित किया।
3. खानकाह का नियंत्रण शेख, पीर अथवा मुर्शीद के हाथ में होता था।
4. शेख नए मुरीदों को स्वीकार करता तथा अपना उत्तराधिकारी खलीफा नियुक्त करता था।

निबन्धात्मक प्रश्न

5. वह आध्यात्मिक व्यवहार, खानकाह में रहने वालों के संबंधों तथा जनसामान्य से संपर्क के नियम तय करता था।

6. खानकाह बाद में सामाजिक और धार्मिक जीवन का केंद्र बन गई।

निबन्धात्मक प्रश्न

सिलसिला की भूमिका

7. बारहवीं शताब्दी के आसपास विभिन्न सूफी सिलसिलों का गठन हुआ।
8. 'सिलसिला' का अर्थ जंजीर था, जो शेख और मुरीद के निरंतर संबंध का प्रतीक थी।
9. इसकी पहली अटूट कड़ी पैगम्बर मोहम्मद से मानी जाती थी।

निबन्धात्मक प्रश्न

10. इसी श्रृंखला द्वारा आध्यात्मिक शक्ति और आशीर्वाद मुरीदों तक पहुँचता था।
11. दीक्षा में निष्ठा का वचन, सिर मुंडाना तथा थेगड़ी लगे वस्त्र धारण करना शामिल था।
12. पीर की मृत्यु के बाद उसकी दरगाह भक्ति का केंद्र बनती थी।

निबन्धात्मक प्रश्न

13. वहाँ जियारत और उर्स की परंपरा विकसित हुई।

14. इस प्रकार खानकाह ने सूफी समुदाय को संगठित किया तथा सिलसिले ने उसकी आध्यात्मिक परंपरा और निरंतरता को बनाए रखा।

Q.6 कर्नाटक की वीरशैव परम्परा का वर्णन कीजिए।

RBSE-2022



Q.6 कर्नाटक की वीरशैव परम्परा का वर्णन कीजिए। RBSE-2022

उत्तर :

1. बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में एक नवीन आंदोलन का उद्भव हुआ।
2. इसका नेतृत्व बासवन्ना (1106-68) ने किया, जो कलाचुरी राजा के दरबार में मंत्री थे।

निबन्धात्मक प्रश्न

3. उनके अनुयायी वीरशैव अथवा लिंगायत कहलाए।
4. लिंगायत शिव की लिंग के रूप में आराधना करते थे।
5. पुरुष अपने वाम स्कंध पर चाँदी के पिटारे में एक लघु लिंग धारण करते थे।

निबन्धात्मक प्रश्न

6. जंगम, अर्थात यायावर भिक्षुओं, को विशेष श्रद्धा प्राप्त थी।
7. उनका विश्वास था कि मृत्यु के बाद भक्त शिव में लीन हो जाता है और संसार में पुनः नहीं लौटता।
8. वे धर्मशास्त्र में बताए गए श्राद्ध संस्कार का पालन नहीं करते थे और मृतकों को विधिपूर्वक दफनाते थे।

निबन्धात्मक प्रश्न

9. उन्होंने जाति व्यवस्था तथा कुछ समुदायों को 'दूषित' मानने की ब्राह्मणीय अवधारणा का विरोध किया।
10. उन्होंने पुनर्जन्म के सिद्धांत पर भी प्रश्न उठाया।
11. उन्होंने वयस्क विवाह और विधवा पुनर्विवाह को मान्यता दी।

निबन्धात्मक प्रश्न

12. वीरशैव परंपरा की जानकारी कन्नड़ भाषा के वचनों से मिलती है, जिन्हें आंदोलन से जुड़े स्त्री-पुरुषों ने रचा।

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.7 प्रारंभिक भक्ति आन्दोलन में अलवारों और नयनारों के योगदान का विश्लेषण कीजिए?

Model paper-2026



निबन्धात्मक प्रश्न

Q.7 प्रारंभिक भक्ति आन्दोलन में अलवारों और नयनारों के योगदान का विश्लेषण कीजिए?

Model paper-2026

उत्तर :

1. लगभग छठी शताब्दी में प्रारंभिक भक्ति आंदोलन का नेतृत्व अलवार और नयनार संतों ने किया।
2. अलवार विष्णु भक्त तथा नयनार शिव भक्त थे।

निबन्धात्मक प्रश्न

3. वे एक स्थान से दूसरे स्थान तक भ्रमण करते हुए तमिल में भजन गाते थे।
4. उन्होंने पवित्र स्थलों को अपने इष्टदेव का निवास घोषित किया; बाद में वहाँ विशाल मंदिर और तीर्थस्थल विकसित हुए।

निबन्धात्मक प्रश्न

5. संत-कवियों के भजन मंदिरों में अनुष्ठानों के समय गाए जाने लगे।
6. संतों की प्रतिमाओं की भी पूजा की जाने लगी।
7. इन परंपराओं ने स्त्रियों और निम्न वर्णों को धार्मिक जीवन में स्थान दिया।

निबन्धात्मक प्रश्न

8. संत ब्राह्मण, शिल्पकार, किसान तथा 'अस्पृश्य' समझी जाने वाली जातियों सहित अनेक समुदायों से थे।
9. कुछ संतों ने जाति व्यवस्था और ब्राह्मण प्रभुता की आलोचना की।
10. अंडाल और करइक्काल अम्मइयार जैसी स्त्रियों ने पितृसत्तात्मक आदर्शों को चुनौती दी।

निबन्धात्मक प्रश्न

11. अलवारों की रचनाओं का संकलन नलयिरादिव्यप्रबंधम् तथा अप्पार, संबंदर और सुंदरार की कविताओं का संकलन तेवरम में हुआ।
12. चोल शासकों ने मंदिर निर्माण, भजनों के गायन तथा संतों की प्रतिमाओं की स्थापना द्वारा इस परंपरा को संरक्षण दिया।

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.8 भक्ति आन्दोलन में कर्नाटक की वीरशैव परम्परा के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

Model paper-2026



Q.8 भक्ति आन्दोलन में कर्नाटक की वीरशैव परम्परा के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

Model paper-2026

उत्तर :

1. बारहवीं शताब्दी में बासवन्ना के नेतृत्व में कर्नाटक में वीरशैव आंदोलन विकसित हुआ।

निबन्धात्मक प्रश्न

2. इसके अनुयायी वीरशैव या लिंगायत कहलाए और शिव की लिंग रूप में आराधना करते थे।
3. उन्होंने जाति व्यवस्था तथा कुछ जातियों को 'दूषित' मानने की ब्राह्मणीय धारणा का विरोध किया।
4. उन्होंने पुनर्जन्म के सिद्धांत पर प्रश्न उठाया।

निबन्धात्मक प्रश्न

5. इन विचारों के कारण ब्राह्मणीय सामाजिक व्यवस्था में गौण स्थान प्राप्त समुदाय इस आंदोलन की ओर आकर्षित हुए।
6. लिंगायतों ने धर्मशास्त्र द्वारा अस्वीकृत वयस्क विवाह और विधवा पुनर्विवाह को मान्यता दी।

निबन्धात्मक प्रश्न

7. वे श्राद्ध संस्कार नहीं करते थे और अपने मृतकों को दफनाते थे।
8. उनका विश्वास था कि मृत्यु के बाद भक्त शिव में लीन हो जाता है।
9. इस परंपरा के स्त्री-पुरुषों ने कन्नड़ भाषा में वचन रचे।
10. बासवन्ना के वचनों में कर्मकांडों की आलोचना भी स्पष्ट रुप से दिखाई देती है।